रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निवेश का नया केन्द्र बनने की ओर छत्तीसगढ़

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अब केवल खनिज और कृषि प्रधान राज्य नहीं रह गया है, बल्कि तकनीकी नवाचार और रणनीतिक उद्योगों का नया गढ़ बनकर उभरने की दिशा में अग्रसर है। इस परिवर्तन की आधारशिला मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में रखी गई है, जिन्होंने न केवल राज्य की औद्योगिक नीतियों को समकालीन और रोजगारोन्मुख बनाया, बल्कि रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करने के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में हाल ही में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में इन उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए पृथक औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की गई। यह पैकेज न केवल इन क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि राज्य के युवाओं के लिए सेवा और रोजगार के अवसरों के नए द्वार भी खोलेगा। छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024–30

के अंतर्गत तैयार किया गया यह विशेष पैकेज अत्याधुनिक उद्योगों की स्थापना और विस्तार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। रक्षा, एयरोस्पेस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े उद्यमों को स्थायी पूंजी निवेश के आधार पर 100 प्रतिशत तक की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति या वैकल्पिक रूप से पूंजी अनुदान की सुविधा दी जाएगी। 50 करोड़ से लेकर 500 करोड़ से अधिक के निवेश करने वाली इकाइयों के लिए 35 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 300 करोड़ रुपये तक तय की गई है। इसके साथ ही, निवेशकों को ब्याज अनुदान, विद्युत शुल्क में छूट, स्टाम्प और पंजीयन शुल्क में रियायतें, भूमि उपयोग परिवर्तन शुल्क में छूट, रोजगार सृजन पर आधारित प्रोत्साहन, ईपीएफ प्रतिपूर्ति और प्रशिक्षण अनुदान जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। आमंत्रित इस नीति का सबसे प्रभावशाली पहलू यह है कि इसमें स्थानीय युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी गई है। जो उद्योग छत्तीसगढ़ के निवासियों को पहली बार रोजगार देंगे, उन्हें दिए गए वेतन का 20 प्रतिशत तक अनुदान भी मिलेगा। यह राज्य सरकार की उस सोच का परिणाम है, जिसमें 'विकास' केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर आम जनता के जीवनस्तर में वास्तविक सुधार का माध्यम बने। रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की स्थापना पर व्यय का 20 प्रतिशत तक अनुदान, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना पर पूंजी निवेश अनुदान तथा ड्रोन प्रशिक्षण केंद्रों के लिए विशेष सहायता जैसी व्यवस्थाएं राज्य को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और अग्रणी बनाएंगी। जो इकाइयां 1000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेंगी या 1000 से अधिक लोगों को रोजगार देंगी, उन्हें अतिरिक्त औद्योगिक प्रोत्साहन भी मिलेगा। इससे वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर की बड़ी कंपनियों को राज्य में निवेश हेतु प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का मानना है कि छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश के नए अवसरों के साथ ही रोजगार, तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का एक समेकित पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जाए। छत्तीसगढ़ का युवा केवल नौकरी खोजने वाला न बने, बल्कि नौकरी देने वाला भी बने। यह औद्योगिक नीति मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों के अनुरूप राज्य को नई पहचान दिलाने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। छत्तीसगढ़ अब पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़ते हुए रक्षा और एयरोस्पेस जैसे उच्च तकनीक क्षेत्रों में निवेश का गंतव्य बनता जा रहा है। यह न केवल राज्य की आर्थिक समृद्धि को गति देगा, बल्कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को सपनों की नई ऊंचाई तक ले जाने का मार्ग भी खोलेगा।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस : योगा संगम और हरित योग थीम पर होगा आयोजन

बलौदाबाजार: 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन योगा संगम एवं हरित योग आधारित थीम पर किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून 2025 को प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नवीन कृषि उपज मण्डी परिसर बलौदाबाजार में किया जाएगा। कलेक्टर दीपक सोनी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन की तैयारी हेतु अधिकारियो की बैठक लेकर जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने समय पर सभी तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत एवं उप संचालक समाज कलयाण व वरिष्ठ खेल अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही अलग –अलग विभाग के अधिकारियो को पृथक– पृथक जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम में योग आयोग द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा प्रोटोकॉल के अनुसार योग अभ्यास होगा।योगाभ्यास में जनप्रतिनिधि ।,गणमान्य नागरिक, दिव्यांगजन, विशेष रूप से पिछडी जनजाति, विभिन्न आयु वर्ग के महिला व पुरुष, एनजीओ, विभिन्न संस्थाओं एवं छात्र– छात्राएं सम्मिलित होंगे।

झूलेलाल धाम में आयोजित भव्य स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय झूलेलाल धाम में आयोजित भव्य स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए। एक्स पोस्ट में सीएम साय ने लिखा, बाबा गुरुदास राम साहेब की 94वीं जयंती के शुभ अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित झूलेलाल धाम में आयोजित भव्य स्वास्थ्य शिविर में सम्मिलित हुआ। सिंधी समाज ने सेवा, सौहार्द और समर्पण की जो परंपरा स्थापित की है, वह वास्तव में अनुकरणीय है।

समाज द्वारा समय–समय पर किए जा रहे जन सेवा के प्रकल्पों से केवल सिंधी समाज ही नहीं, अपितु सर्व समाज लाभान्वित हो रहा है। इस अवसर पर विधायक गुरु खुशवंत साहेब, छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, महापौर रामू रोहरा, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी सहित जनप्रतिनिगण एवं समाज के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

बालाघाट एनकाउंटर में तीन महिला समेत चार नक्सली ढेर

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच एक जबरदस्त मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए। पहाड़ों और घने जंगलों से घिरा यह जंगली इलाका नक्सलियों का गढ़ माना जाता है। सुरक्षाबल ने न सिर्फ नक्सलियों को मार गिराया, बल्कि उनके पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए। विशेष पुलिस महानिदेशक (नक्सल) पंकज श्रीवास्तव ने इस मुठभेड़ की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई बिथली थाना क्षेत्र के पचामा दादर के पहाड़ी इलाके में हुई। इस मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों समेत चार नक्सली ढेर हुए। कुछ नक्सली मौके से फरार हो गए। इनकी तलाश में ही सुरक्षाबल जंगल में सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

बंगाल सरकार में मंत्री ज्योत्सना मांडी के पति की पिटाई, चार गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार में खाद्य और आपूर्ति विभाग की राज्यमंत्री ज्योत्सना मांडी के पति तुहीन मांडी की बांकुड़ा जिले के खातड़ा शहर के एक बाजार में शुक्रवार रात कुछ लोगों ने सरेआम पिटाई की। पुलिस ने इस मामले में स्थानीय भाजपा नेता शांतनु सिंह और उनकी पार्टी के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। घटना को लेकर ज्योत्सना मांडी ने कहा, श्मेरे पति सरकारी कर्मी है। वे राजनीति में शामिल नहीं हैं। इसके बावजूद भाजपा के लोगों ने उन्हें निशाना बनाया। यह खातड़ा शहर को अशांत करने की साजिश है। मैंने इस घटना से पुलिस–प्रशासन व पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अवगत करा दिया है।

ईरान एक साथ दागेगा १८०० मिसाइलें, नेतन्याहू को सुरक्षित स्थान पर किया गया शिफ्ट, पश्चिम एशिया की तरफ बढ़े अमेरिकी वॉरशिप

नई दिल्ली। इजरायल के हमले के जवाब में ईरानी सेना ने तेल अवीव में तबाही मचाना शुरू कर दिया है। ईरान ने इजरायल पर 150 बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। इनमें से छह मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरी जिसमें एक महिला की मौत हो गई। वहीं 63 अन्य घायल हो चुके हैं। ईरानी मीडिया रिपोर्ट में इजरायली रक्षा मंत्रालय को भ निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है। वहीं खबर है कि ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम ने इजरायल के एफ 35 विमान को मार गिराया है। खबर तो ये भी है कि ईरान इजरायल पर एक साथ 1800 मिसाइलों से हमला कर सकता है। जिससे इजरायल में भारी तबाही मचने की संभावना है। इतनी बड़ी संख्या में मिसाइलों को मार गिराना इजरायली एयर डिफेंस सिस्टम के लिए भी बड़ी चुनौती होगी। ईरान ने इजरायल की राजधानी तेल अवीव और सलोम शहर में करारा हमला किया है। इजरायल पर हमले के

बाद ईरान की राजधानी तेहरान में लोग सड़कों पर जश्न मनाने के लिए उतर आए। ईरानी युवा राष्ट्रीय झंडा हाथों में लेकर बाइकों पर घूमते नजर आए। महिलाओं और पुरुषों ने ईरान के सपोर्ट में नारेबाजी की। वहीं खबर तो ये भी है कि ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने इजरायली ड्रोनों को हवा में ही मार गिराया है। ईरान के मिसाइल हमले के बाद पूरे इजरायल में सायरन बजने लगे। पूरे येरुशलम में विस्फोटों की गर्गराहट सुनी जा सकती है। ईरानी हमले के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया। इजरायल के टीवी स्टेशनों ने भी मिसाइल हमले के बाद तेल अवीव में धुएं के गुबार उठते दिखे।

आधी रात को ईरानी सेना यानी आईआरजीसी की तरफ से बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया कि ईरानी मिसाइल और ड्रोन इकाइयों ने उन इजरायली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जिनका इस्तेमाल ईरान पर हमले शुरू करने के लिए किया गया था। साथ ही इजरायल के औद्योगिक हथियार निर्माण औरअन्य सैन्य स्थलों को भी निशाना बनाया गया। सैटेलाइट इमेजनरी के माध्यम से एकत्र की गई खुफिया जानकार से पता चला है कि दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलों ने अपने लक्ष्यों पर सटीक हमला किया है। ईरान के ठिकानों पर किये गए हमले के बाद खाड़ी देश की ओर से जवाबी कार्रवाई किये जाने की आशंका के मद्देनजर अमेरिका अपने युद्धपोतों सहित सैन्य संसाधनों को पश्चिम एशिया की ओर स्थानांतरित कर रहा है। अमेरिका के दो अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नौसेना ने विध्वंसक पोत यूएसएस थॉमस हडनर को पूर्वी भूमध्य सागर की ओर बढ़ने का निर्देश दिया है तथा दूसरे विध्वंसक पोत को भी आगे बढ़ने का निर्देश दिया गया है, ताकि व्हाइट हाउस द्वारा अनुरोध किए जाने पर वे उपलब्ध हो सकें। एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्थिति पर चर्चा करने के लिए अपने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुखों के साथ बैठक कर रहे हैं।

तो आग में जलेगा तेहरान, इजरायली रक्षा मंत्री की खुली धमकी

दुबई। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष की लपटें भयानक रूप ले रहीं हैं। ईरान ने शनिवार सुबह इजरायल पर जवाबी मिसाइल हमले किए, जिसमें तीन लोग मारे गए और दर्जनों जख्मी हुए।

इससे पहले इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकाने और ईरानी सेना पर हमले किए थे। इजरायल का दावा है कि उसने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए ऐसा कदम उठाया था। दोनों मुल्कों के बीच इस संघर्ष ने दुनिया भर में चिंता बढ़ा दी है।

इजरायल ने अपने हमलों में जंगी जहाजों और पहले से तैनात ड्रोनों का इस्तेमाल किया। उसने ईरान के बड़े जनरलों और नेताओं को निशाना बनाया। दूसरी तरफ, ईरान ने इजरायल पर करीब 200

बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें से ज्यादातर को इजरायल की एयर डिफेंस ने रोक लिया। इसके बावजूद, कुछ मिसाइलें तेल अवीव और यरूशलम में गिरीं, जिससे नुकसान हुआ।इजराइल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने हमलों के बीच ईरान को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, ष्अगर ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागीं तो तेहरान आग में जलेगा। ईरान का तानाशाह अपने लोगों को बंधक बना रहा, खासकर तेहरान के बाशिंदों को भारी कीमत चुकानी होगी।ष्काट्ज ने यह बयान प्क्ष् चीफ ऑफ स्टाफ, मोसाद के निदेशक और दूसरे बड़े अफसरों के साथ बैठक के बाद दिया।तेल अवीव के बेलिन्सन अस्पताल के मुताबिक, ईरान की मिसाइल से एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद इस हमले में मरने वालों की संख्या तीन हो गई। अस्पताल ने सात जख्मी लोगों का इलाज भी किया। इजरायल की फायर सर्विस ने बताया कि एक मिसाइल ने तेल अवीव में इमारत को नुकसान पहुंचाया।

हादसे के बाद सरकार का आदेश, भारतीय बेड़े में बोइंग ७८७ सीरीज के विमानों की गहन जांच होगी

नई दिल्ली । अहमदाबाद में हाल ही में हुए भीषण विमान हादसे के बाद भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने शनिवार को बताया कि डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) ने भारतीय विमानन बेड़े में शामिल बोइंग ड्रीमलाइनर 787 सीरीज के सभी विमानों की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। इस भीषण हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में 241 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं हादसे वाली जगह पर मौजूद 24 लोगों की भी मौत हुई है।

इस दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री ने ये बताया कि भारतीय विमानन बेड़े में इस समय कुल 34 बोइंग 787 विमान मौजूद हैं। इनमें से 8 विमानों की जांच पहले ही तात्कालिक रूप से पूरी की जा चुकी है, और शेष विमानों की भी जल्दी ही जांच की जाएगी। उन्होंने कहा, श्भारत में बहुत सख्त सुरक्षा मानक हैं। हादसे के बाद हमें महसूस हुआ कि बोइंग 787 विमानों की गहराई से निगरानी की जरूरत है। डीजीसीए ने इसके लिए विस्तृत निरीक्षण के आदेश दिए हैं। मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि हादसे की जांच पूरी होने तक सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा– जैसे–जैसे जांच आगे बढ़ेगी, जो भी जरूरी कदम सामने आएंगे, हम उन्हें बिना किसी हिचक के लागू करेंगे ताकि विमानन सुरक्षा में कोई कमी न रह जाए। मंत्री ने बताया कि एअर इंडिया को यह निर्देश दिए गए हैं कि वे मृतकों के परिवारों की हर तरह से मदद करें। शवों की पहचान डीएनए जांचके जरिये की जा रही है ताकि सही परिवारों को सौंपे जा सकें। उन्होंने कहा, श्यह बेहद दर्दनाक है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनकी मदद के लिए एयर इंडिया को पूरी प्रक्रिया में साथ देने को कहा गया है। गुजरात सरकार भी इसमें पूरा सहयोग कर रही है।श

राम मोहन नायडू ने कहा कि 12 जून को एअर इंडिया की फ्लाइट ।ब–171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, टेक ऑफ के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें से केवल एक व्यक्ति ही जीवित बचा। उन्होंने कहा, श्यह हादसा पूरे देश को हिला देने वाला था। यह मेरे लिए भी निजी तौर पर भावुक क्षण था, क्योंकि मैंने भी अपने पिता को एक सड़क हादसे में खोया है। मैं उस दर्द को समझ सकता हूं। मंत्री ने बताया कि एयरक्राफ्ट एक्सिडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (।।ठ)को तुरंत जांच के लिए लगाया गया। हादसे की जगह से ब्लैक बॉक्स 13 जून को शाम 5 बजे बरामद कर लिया गया।

इजरायली सेना के नक्शे में कश्मीर को पाकिस्तान और अरुणाचल को चीन दिखाया, ९० मिनट में भारत से मांगी माफी

नई दिल्ली। इजराइली रक्षा बलों द्वारा ईरान की मिसाइलों की सीमा को दर्शाने वाला मानचित्र जारी करने के एक दिन बाद, जिसमें जम्मू–कश्मीर को पाकिस्तान और पूर्वोत्तर भारत को नेपाल का हिस्सा गलत तरीके से दर्शाया गया था, सेना ने शनिवार को माफी जारी की, जिसमें स्पष्ट किया गया कि मानचित्र का उद्देश्य सटीक राष्ट्रीय सीमाओं का प्रतिनिधित्व करना नहीं था। यह माफी इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच जारी गलत मानचित्र पर भारत में भारी आक्रोश के बाद आई है। एक भारतीय अकाउंट द्वारा पोस्ट किए गए पोस्ट का जवाब देते हुए, आईडीएफ ने स्वीकार किया कि मानचित्र ष्सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है७ और

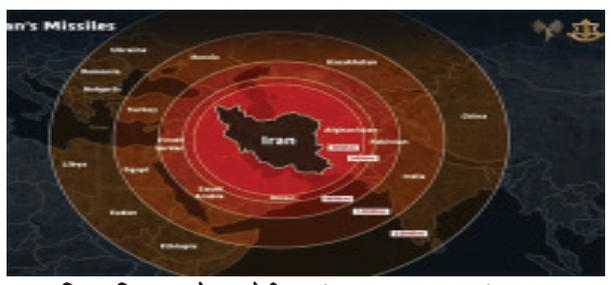

स्पष्ट किया कि यह केवल क्षेत्रीय चित्रण के लिए था, आधिकारिक प्रतिनिधित्व नहीं। प्रारंभिक पोस्ट के लगभग 90 मिनट बाद माफी आई। आईडीएफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा"यह पोस्ट क्षेत्र का चित्रण है। यह मानचित्र सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहता है। इस छवि के कारण हुई किसी भी ठेस के लिए हम क्षमा चाहते हैं। इजरायली सेना 'भारतीय दक्षिणपंथी समुदाय' द्वारा पोस्ट किए गए एक पोस्ट का जवाब दे रही थी, जिसमें लिखा थारू "अब आप समझ गए होंगे कि भारत तटस्थ क्यों रहता है। कूटनीति में, कोई भी वास्तव में आपका मित्र नहीं है।"भारत सरकार ने अभी तक आधिकारिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया है। हालाँकि, भारत ने लगातार कहा है कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख, जिसमें पाकिस्तान और चीन द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र शामिल हैं, देश के अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस स्थिति को दोहराया। भारत और इजरायल के बीच मजबूत और बढ़ते संबंधों को देखते हुए यह घटना आश्चर्यजनक है। पीएम मोदी 2017 में इजरायल का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। भारत इजरायल के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है और इसके सैन्य उपकरणों का एक प्रमुख खरीदार है। विवादास्पद मानचित्र ईरान को वैश्विक खतरे के रूप में पेश करने वाले संदेश के हिस्से के रूप में पोस्ट किया गया था। यह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच आया है, खासकर 7 अक्टूबर को हमास के हमलों के बाद गाजा में इजरायल के चल रहे सैन्य अभियानों के बाद। ईरान और इजरायल ने वर्तमान में तेहरान और तेल अवीव में बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं। इजरायली बलों द्वारा साझा किए गए मानचित्र के अनुसार, भारत के अलावा, रूस, यूक्रेन, चीन और सूडान सहित 15 देश ईरानी मिसाइलों की सीमा में आते हैं। इजरायल ने शुक्रवार को तेहरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिसमें दावा किया गया कि यह अभियान ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को खत्म करने के उद्देश्य से था। हमलों में कथित तौर पर कई शीर्ष ईरानी सैन्य कमांडर और 70 से अधिक अन्य मारे गए, प्रमुख प्रतिष्ठान नष्ट हो गए और कई घायल हो गए।

उत्कल मेल प्रकाशनी प्रा. लि. की ओर से पीतवास मिश्र द्वारा महावीर प्रिंटर्स, सी/23/1, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राउरकेला-769004 से मुद्रित व प्रकाशित.

प्रधान संपादक
श्रीमती रीता मिश्र

सम्पादक
डॉ. पीतवास मिश्र

संयुक्त सम्पादक
डॉ. सुशील दाहिमा

प्रबंध सम्पादक
मनस्विनी मिश्र

संपादकीय कार्यालय
सी-२३/१, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राउरकेला - ७६९०१२, ओड़िशा
फोन : २४०१९४९ (कार्यालय)
फैक्स : (०६६१) २४०१३३२
E-mail
utkalmailnews@gmail.com

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)
जागृति विहार, बुर्ला- 768020, जिला-सम्बलपुर (ओड़िशा)
दूरभाष (ईपीबीएक्स): 0663-2542481 से 488 वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"
R-5259